पं. दीनदयाल उपाध्याय

एकात्म मानववाद के प्रणेता

पूरा नाम	:	**दीनदयाल उपाध्याय**
जन्म	:	सोमवार, 25 सितम्बर, 1916 – धाणक्या (राजस्थान)
पैतृक स्थान	:	नगला चन्द्रभान, मथुरा, उत्तर प्रदेश
माता-पिता	:	श्रीमती रामप्यारी, श्री भगवती प्रसाद उपाध्याय
1935	:	मैट्रिक की राज्य स्तर की परीक्षा में प्रथम स्थान, कल्याण हाईस्कूल, सीकर (राजस्थान)
1937	:	इंटरमीडिएट, बिडला कॉलेज, पिलानी, में राज्य भर में प्रथम स्थान तथा सभी विषयों में विशेष योग्यता
1938	:	14 जनवरी-मकर संक्रांति पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रवेश द्वारा राष्ट्रसेवा का प्रण एवं कानपुर में सनातन धर्म कॉलेज से बी.ए. में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की
1939	:	सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा में एम.ए.(अंग्रेजी) प्रथम वर्ष प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की
1940	:	राज्य प्रशासन की प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान, किन्तु नौकरी नहीं की
1942	:	प्रयाग से बी.टी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण, लखीमपुर में संघ के प्रचारक नियुक्त
1946-47		सम्राट चंद्रगुप्त और जगद्गुरु शंकराचार्य कृति की रचना
1947	:	'राष्ट्रधर्म प्रकाशन लिमिटेड' की स्थापना (जिसके अंतर्गत, राष्ट्रधर्म, पांचजन्य एवं स्वदेश का प्रकाशन प्रारंभ)
1952	:	कानपुर में भारतीय जनसंघ के प्रथम अखिल भारतीय अधिवेशन में राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त (29-31 दिसं.-इस पद पर 15 वर्ष रहे)
1963	:	विदेश यात्राओं द्वारा जनसंघ का प्रचार-प्रसार
1964	:	जनसंघ के ग्वालियर अधिवेशन में नवीन राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दर्शन 'एकात्म मानववाद' विचारार्थ प्रस्तुत किया
1965	:	जनसंघ के विजयवाड़ा अधिवेशन में 'एकात्म मानववाद' की विवेचना प्रस्तुत की, मुंबई में एकात्म मानववाद पर प्रसिद्ध व्याख्यान
1967	:	दिसंबर-भारतीय जनसंघ के कालीकट अधिवेशन में अध्यक्ष पद ग्रहण किया
निर्वाण	:	11 फरवरी 1968 मुगलसराय रेलवे स्टेशन के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु